गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक:333
दि. 06.04.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

भारी बारिश-ओलावृष्टि से फसल नुकसान पर केंद्र सतर्क, प्रभावित राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ होगी बैठक : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के कई राज्यों में हाल ही में हुई भारी बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान को लेकर केंद्र सरकार सक्रिय हो गई है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस स्थिति का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को तत्काल समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं।

कृषि मंत्रालय के अनुसार, मंत्री शिवराज सिंह चौहीन ने संबंधित राज्यों के अधिकारियों से संपर्क कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फसलों को हुए नुकसान का सही आकलन जरूरी है, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर राहत प्रदान की जा सके।

मंत्री ने भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में केंद्र सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सरकार हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसके साथ ही, शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रभावित राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ आज बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में फसल क्षति का विस्तृत आकलन कर राहत और मुआवजे के उपायों पर निर्णय लिया जाएगा।

पाकिस्तान की भारत को धमकी- अगला संघर्ष सीमा तक नहीं रहेगा

रक्षा मंत्री आसिफ बोले- हम कोलकाता तक पहुंचेंगे और उनको घर में घुसकर मारेंगे

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए भारत को धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारत कोई फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन (छिपकर हमला) करता है, तो इस बार संघर्ष सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कोलकाता तक पहुंच सकता है। ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि भारत अपने लोगों या हिरासत में बंद पाकिस्तानियों का इस्तेमाल करके झूठा ड्रामा रचने की योजना बना रहा है। पिछले साल की तरह इस बार भारत को और ज्यादा शर्मिंदगी का सामना करना पड़ेगा।

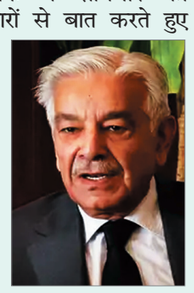

आसिफ ने आगे ये भी कहा कि शवों को कहीं रखकर पाकिस्तान पर आतंकवाद का आरोप लगाया जा सकता है, लेकिन उन्होंने (भारत ने) इस दावे के लिए कोई सबूत नहीं दिया।

भारतीय रक्षा मंत्री बोले थे- पाकिस्तान ने गंदा खेल खेला तो जवाब देंगे

ख्वाजा आसिफ के इस बयान पर भारत की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केरलम में एक कार्यक्रम में पाकिस्तान को साफ चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर पाकिस्तान फिर कोई गलत कदम उठाएगा तो भारतीय सेना निर्णायक जवाब देगी।

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और अगर पाकिस्तान ने दोबारा गंदा खेल खेला तो भारतीय सैनिक ऐसा जवाब देंगे जो वे कभी नहीं भूलेंगे।

पीएम मोदी बोले: टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका:ये खास मजहब के लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे

कोलकाता/चेन्नई,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में चुनावी सभा में कहा कि TMC के पापों का घड़ा भर चुका है और अब जनता बदलाव चाहती है। चुनाव के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, चुन-चुनकर हिसाब लिया जाएगा।

PM मोदी ने कहा- 1905 में मजहबी ताकतों ने बंगाल में लाल इश्तेहार जारी किया था। उसके बाद हिंदुओं का नरसंहार किया गया था। टीएमसी उसी की याद दिलाना चाहती है। ये खास मजहब के लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे।

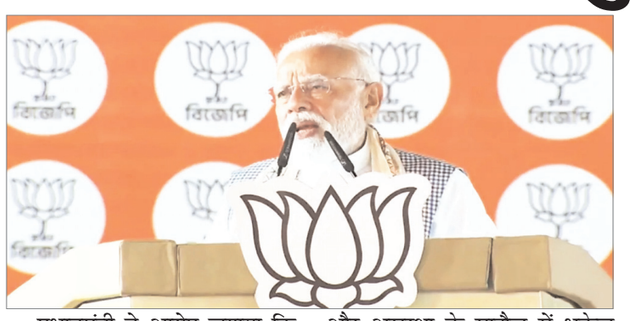

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में लोकतंत्र कमजोर हुआ है। संवैधानिक संस्थाओं की अनदेखी की जा रही है। राज्य में भ्रष्टाचार, घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ अत्याचार ने जनता को भय और असुरक्षा के माहौल में धकेल दिया है।

उन्होंने संदेशखाली जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए महिलाओं की सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बताया।

ये लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तुष्टिकरण के इस खेल में बंगाल की महान पहचान को बदला जा रहा है। अभी TMC ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है, लेकिन उसका नाम उन्होंने बांग्ला भाषा में नहीं रखा, बल्कि उसे इश्तेहार कहा जा रहा है। सोचिए कि कैसे पश्चिम बंगाल की पहचान को बदल रहे हैं। आप जानते हैं कि इश्तेहार का इस्तेमाल बंगाल में किसलिए हुआ था। 1905 में मजहबी ताकतों ने बंगाल में लाल इश्तेहार जारी किया था। उसके बाद हिंदुओं का नरसंहार किया गया था। टीएमसी हमें उसी की याद दिलाना चाहती है। आपको भूलना नहीं है कि यहां निर्मम सरकार में खुलेआम धमकी दी जा रही है। ये खास मजहब के लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे।

मुझे चुनाव आयोग पर विश्वास, निष्पक्ष चुनाव होंगे:

PM मोदी ने कहा कि इस बार का चुनाव आपके बच्चों का भविष्य तय करने वाला है। इसलिए आप बच्चों के भविष्य के लिए वोट दीजिए। आप अपना वोट अपने परिवार के लिए दीजिए।

केरल : अमित शाह बोले- यह सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, भविष्य तय करने का चुनाव

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल के एर्नाकुलम में रविवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केरल का यह चुनाव राज्य के भविष्य से जुड़ा है।अमित शाह ने कहा कि यह चुनाव केवल LDF सरकार को हटाकर NDA को लाने का नहीं, बल्कि केरल के भविष्य को तय करने का है।

ईरान बोला: अमेरिकी रेस्क्यू मिशन में शामिल विमान गिराया, लापता एयरमैन की तलाश कर रहा था

अमेरिका बोला- स्पेशल ऑपरेशन चला दो पायलट सुरक्षित निकाले

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। ईरान ने रविवार को दावा किया है कि उसने अमेरिकी रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल C-130 कैटेगरी का एक विमान मार गिराया। फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा कि यह विमान इस्फहान के दक्षिणी इलाके में लापता अमेरिकी एयरमैन की तलाश में लगा हुआ था।

यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ देर पहले ही ट्रम्प ने घोषणा की है कि लापता एयरमैन को स्पेशल ऑपरेशन चलाकर सुरक्षित बचा लिया गया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट पर बताया कि यह अधिकारी एक कर्नल थे, जो F-15E लड़ाकू विमान गिराए जाने के बाद लापता हो गए थे।

उन्होंने कहा, 'हमने उसे बचा लिया। पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ने अपने इतिहास के सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशनों में से एक को अंजाम दिया। '

इससे एक दिन पहले उसी मिशन में एक और अमेरिकी पायलट को बचाया गया था। दूसरे ऑपरेशन को गोपनीय रखा गया ताकि दूसरे एयरमैन की लोकेशन खतरे में न पड़े।

ईरान ने ट्रम्प का 48 घंटे का अल्टीमेटम ठुकराया

ईरान ने ट्रम्प के 48 घंटे में होर्मुज खोलने के अल्टीमेटम को ठुकरा दिया है। ईरानी सेना ने कहा है कि अमेरिका बेबस और घबराकर धमकियां दे रहा है।
ट्रम्प ने ईरान को होर्मुज खोलने या समझौता करने का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि समय खत्म हो रहा है और ऐसा नहीं होने पर ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह कर दिया जाएगा।

3 साल की बच्ची से गैगरेप ब्लीडिंग से हालत नाजुक

पटना में चाचा ने घर से उठाया ; प्राइवेट पार्ट को दांत से काटा, शरीर पर चोट के निशान

पटना,एजेंसी पटना के परसा बाजार में 3 साल की दलित बच्ची से गैंगरेप का मामला सामने आया है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि आरोपियों में बच्ची का चाचा भी शामिल है। पुलिस ने बच्ची के चाचा और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। इन दरिंदों ने मासूम के साथ न सिर्फ रेप किया, बल्कि उसके साथ बर्बरता भी की। बच्ची की चीख को दबाने के लिए बदमाशों ने उसके प्राइवेट पार्ट को दांत से काटा।बच्ची के चेहरे, पीठ और नाजुक अंगों पर गहरे जख्म हैं। पूरे शरीर पर मारपीट के नीले निशान हैं। लहूलुहान और बेसुध बच्ची को एम्स पटना के

आईसीयू में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।गिरफ्तार चाचा की उम्र 22 साल है। वह शादीशुदा नहीं है। वहीं दूसरे आरोपी जितेंद्र की सात साल की बेटी है। दोनों स्मैकियर हैं।दोनों की गिरफ्तारी हो चुकी है और दो की भूमिका संदिग्ध है। जबकि तीसरा आरोपी फरार है। पुलिस इस मामले में सभी आरोपितों का डीएनए टेस्ट कराएगी।

चुनावी रेवड़ियों से राज्यों का कर्ज बढ़ रहा

लाड़ली बहना के कारण म.प्र. का कर्ज रेड लाइन में, महाराष्ट्र में राशन किट योजना बंद

नई दिल्ली,एजेंसी। चुनाव में फ्री राशन, महिलाओं को नकदी जैसी 'मुफ्त की रेवड़ियों' वाली योजनाएं राज्यों के लिए बड़ा बोझ बन रही हैं। हालत यह है कि इनको पूरा करने के लिए राज्य न पर्याप्त संसाधन जुटा पा रहे हैं और न संतुलित बजट बना पा रहे हैं।

कुछ राज्यों में तो इन घोषणाओं का बोझ कुल राजस्व प्राप्तियों के 30 से 40% तक पहुंच गया है। हिमाचल जैसे छोटे राज्य में नकदी संकट की विकट स्थिति है। राज्य में सीएम, मंत्री, विधायकों समेत अफसरों के

वेतन-पेंशन टालने पड़े।

तेलंगाना को चुनावी घोषणाओं के लिए हर साल 1 लाख करोड़ चाहिए, पर बजट की कमी से कई योजनाएं अटकी हैं। मप्र में लाड़ली बहना योजना के चलते GSDP के मुकाबले कर्ज 27% से बढ़कर 32% पहुंच गया।

झारखंड समेत 6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

अप्रैल के पहले हफ्ते में तीसरा वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून,एजेंसी। देश के उत्तरी इलाकों में अप्रैल के पहले हफ्ते में तापमान 40डिग्री के आसपास रहता है। कई राज्यों में लू चलती है। दक्षिणी और समुद्र किनारे बसे राज्यों में उमस भरा मौसम रहता है। लेकिन इस बार पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो रही है। तटीय राज्यों में बारिश, मैदानी इलाकों में ओले गिर रहे हैं। तापमान भी 35डिग्री से कम या आसपास है।

इसका कारण है लगातार आ रहे पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस)। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मार्च-अप्रैल में अमूमन इतने ज्यादा विक्षोभ नहीं बनते। इनका असर उत्तर भारत में देखने को मिलता है। इस बार इनकी

इससे राजस्थान-म.प्र.में ओले गिरेंगे

पोजिशन उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में है। इसे अरब सागर के साथ बंगाल की खाड़ी से भरपूर नमी मिली और जमकर आंधी-बारिश हुई।

अकेले मार्च में देश पर 8 पश्चिमी विक्षोभों का असर पड़ा, जबकि सामान्य तौर पर यह संख्या 5 या 6 होती है। 13 मार्च से अब तक 6 पश्चिमी विक्षोभ आ चुके हैं। 6 अप्रैल को एक नया सिस्टम बनेगा। इसका असर आज से शुरू हो गया है। असम, मेघालय, अरुणाचल, केरल और तमिलनाडु में भारी बारिश हो सकती है। झारखंड में ओले-बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। रविवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, ओडिशा, बंगाल, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में आज बारिश का यलो अलर्ट है।

जनगणना : 15 साल बाद पता चलेगी देश की प्रगति की वास्तविकता

विकसित राष्ट्र और सामाजिक न्याय की राह तय होगी

नई दिल्ली,एजेंसी। करीब 15 साल बाद यह पता चलने वाला है कि देश की प्रगति की वास्तविक तस्वीर क्या है। देश के लोगों का रहन -सहन, शिक्षा, प्रजनन, भाषा, रोजगार, प्रवास, आमदनी के आंकड़े ही जहां देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य पाने का रास्ता तय करेंगे, वहीं जाति, धर्म के आंकड़े सामाजिक न्याय के मौजूदा असंतुलन को दूर करने में सहायक होंगे। क्षेत्रीय विषमता व आर्थिक असंतुलन के सवालों का जवाब मिलेगा। जीडीपी ही नही सतत विकास के लक्ष्य नए सिरे से तय करने में जनगणना अहम भूमिका निभाएगी।

इससे संसद और विधानसभा क्षेत्रों के नए परिसीमन रास्ता खुलेगा। यह प्रवासन, पहचान और आरक्षण से जुड़े मुद्दे उभरेंगे। वास्तव में देश के पहले जनगणना आयुक्त डब्लू डब्लू प्लाडेन ने (1881) पहली बार जनगणना को व्यवस्थित रूप से करा कर जो जवाब हासिल किए थे, उससे बड़े जवाब अब मौजूदा जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण द्वारा कराई जा रही जनगणना से मिलेंगे।

यह चार प्रमुख नई चुनौतियां उभरेंगी :आबादी के जब आंकड़े आएंगे तो, यह सवाल उभरेगा कि आबादी की बढ़ती रफ्तार कम करने वाले राज्यों को संसाधनों के वितरण में इस आधार पर कोई प्रोत्साहन मिलेगा या नहीं। दक्षिण के राज्य अपनी तेजी प्रगति की एक बड़ी वजह आबादी कम करने के प्रयासों को बताते हैं। उत्तर बनाम दक्षिण राज्यों के बीच यह विवाद पहले से रहा है। अमीरी गरीबी में तेजी से बढ़ता अंतर भी एक बड़ी चुनौती है। देश में अब कितना शहरीकरण हुआ और गांव कितने आगे बढ़े इस पर भी नए आंकड़ों के परिपेक्ष्य में बहस होगी। पलायन व घुसपैठ पर चर्चा होगी।

जाति के नए आंकड़े आने पर ओबीसी व एसएसी आरक्षण में नए सिरे बंटवारें व इसकी सीमा बढ़ाने की मांग उठेगी। यह भी चर्चा है कि महिला आरक्षण संबंधी नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन कर जनगणना का इंतजार किए बिना लागू कर दिया जाए। इसके जरिए लोकसभा, राज्य विधानसभाओं में 33% सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। जब भाषा जानने व बोलने वालों की गिनती सामने आएगी तो भाषाई आधार पर नए राज्य बनाने की मांग जोर पकड़ सकती है। राज्य पुनर्गठन आयोग बनाने व उस आधार पर राज्य विभाजन का सवाल पहले से ही है।

धर्म, जाति व भाषा के सवालों पर बहस न करने की हिदायत :जनगणना कर्मियों को यह हिदायत दी गई है कि कोई अपना धर्म या जाति न बताएं तो उसे उसी रूप में दर्ज करना होगा कि नहीं बताया। इस तरह के सवालों पर परिवार के साथ बहस में न पड़ें। यही नहीं भाषा के मामलें में भी संवेदनशीलता की जरूरत है। घर के प्रत्येक सदस्य की मातृभाषा को परिवार में बोली जाने वाली भाषा के साथ भ्रमित नहीं करना चाहिए। यदि घर का नौकर गैरेज में रहता है और परिवार द्वारा उसे सदस्य बताया गया तो गैरेज घर का अतिरिक्त कमरा माना जाएगा।

ओडिशा में बढ़ा आरक्षण का दायरा: एससी-एसटी और ओबीसी छात्रों को मिलेगा अधिक लाभ

भुवनेश्वर,एजेंसी। ओडिशा सरकार ने राज्य में सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) और सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (एसईबीसी) के लिए चिकित्सा और तकनीकी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण के कोटे में वृद्धि की है। यह फैसला शनिवार को मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एसटी छात्रों के लिए कोटा 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 22.50 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह एससी छात्रों के लिए आरक्षण आठ प्रतिशत से बढ़ाकर 16.25 प्रतिशत किया गया है। ओडिशा में सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (एसईबीसी) के रूप में पहचाने जाने वाले ओबीसी छात्रों के लिए राज्य सरकार ने 11.25 प्रतिशत का आरक्षण भी

शुरू किया है।

कहां-कहां लागू होगा फैसला? यह नई आरक्षण व्यवस्था राज्य भर के विश्वविद्यालयों, उनसे संबद्ध कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों, आईटीआई और पॉलिटेक्निक में इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, कंप्यूटर अनुप्रयोग, चिकित्सा, सर्जरी, दंत चिकित्सा, नर्सिंग, फार्मेसी, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान, मनोचिकित्सा, आयुर्वेद, होम्योपैथी, कृषि और संबद्ध विज्ञान, वास्तुकला, योजना और सिनेमाई कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लागू होगी। साथ ही राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित अन्य पाठ्यक्रमों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर प्रमाण पत्र, डिप्लोमा और डिग्री प्रदान करने में भी इस नई आरक्षण प्रणाली का पालन किया जाएगा।

जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण :मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राज्य में एसटी आबादी 22 प्रतिशत से अधिक होने के बावजूद लंबे समय से तकनीकी, व्यावसायिक, चिकित्सा और संबद्ध पाठ्यक्रमों में उनके लिए आरक्षण केवल 12 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि अब इसे उनकी जनसंख्या के अनुपात के अनुसार बढ़ाया गया है।

सीटों की संख्या में वृद्धि :फैसले के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की कुल 2,421 स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा सीटों में से 12 प्रतिशत आरक्षण के आधार पर एसटी छात्र केवल 290 सीटें ही सुरक्षित कर पाते थे।

स्टालिन का हिंदी विरोध, चुनाव से पहले फिर छेड़ा राग

संपादकीय

तमिलनाडु चुनाव से पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने हिंदी विरोध का पुराना राग फिर छेड़ा है, आरोप लगाया कि केंद्र नई शिक्षा नीति के तहत हिंदी थोप रहा है।

इस पर आश्चर्य नहीं कि तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव निकट आते ही मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने हिंदी विरोध का पुराना और विभाजनकारी राग फिर छेड़ दिया। उन्होंने अपना यह पुराना आरोप फिर मढ़ा कि केंद्र सरकार नई शिक्षा नीति के तहत तमिलनाडु में हिंदी थोपना चाहती है। यह साफ है कि उन्होंने चुनाव के चलते लोगों की भावनाएं भड़काने के लिए हिंदी थोपने के आरोप को जानबूझकर उछाला है।

इसे भांपते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यह कहकर उन्हें उचित ही बेनकाब किया कि वे हिंदी थोपने का नैरेटिव अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए कर रहे हैं और जानबूझकर त्रिभाषा फार्मूले की गलत व्याख्या कर रहे हैं। स्टालिन सच में ऐसा ही कर रहे हैं, क्योंकि नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फार्मूले में तो हिंदी को अनिवार्य किया ही नहीं गया।

तमिलनाडु में तमिल अस्मिता के नाम पर हिंदी विरोध की जड़ें बहुत पुरानी हैं। चूंकि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से इन जड़ों को जानबूझकर सींचा गया, इसलिए एक समय वहां हिंदी विरोध के नाम पर हिंसा भी हुई।

हालांकि समय के साथ तमिलनाडु के लोगों में हिंदी के प्रति विरोध का भाव तिरोहित हो गया है, पर कुछ दल और विशेष रूप से डीएमके उसे संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के चलते रह-रहकर उभारती रहती है। अब यह तमाशा चलने वाला नहीं है, क्योंकि तमिलनाडु के साथ अन्य अहिंदी भाषी राज्यों की जनता हिंदी की सामर्थ्य एवं उसकी उपयोगिता से भली तरह परिचित है और वह उसे स्वेच्छा से अपना भी रही है। इसका कारण हिंदी का देश की सबसे प्रभावी संपर्क भाषा के रूप में विकसित होना है।

हिंदी वह धागा है, जिसमें सभी भारतीय भाषाएं गुंथी हुई हैं। हिंदी का किसी भाषा से बैर-विरोध नहीं। वह सब भारतीय भाषाओं की सखी-सहयोगी है। वह राष्ट्रीय एकता की वाहक भी है। देश के हर हिस्से और यहां तक कि तमिलनाडु के लोग भी हिंदी समझते हैं और उसकी महत्ता भी जान रहे हैं। स्टालिन वोट बैंक की सस्ती राजनीति के कारण अपने लोगों को कितना भी बरगलाएं, तथ्य यह है कि तमिलनाडु में बड़ी संख्या में हिंदी भाषी कामगार रहते हैं।

उनके तमाम नियोक्ता उनसे हिंदी में संवाद करने की कोशिश करते हैं। कुछ ने उनसे वार्तालाप के लिए हिंदी बोलने वाले जानकार भी रख रखे हैं। स्टालिन का हिंदी विरोध इसलिए परवान नहीं चढ़ने वाला, क्योंकि तमिलनाडु की जनता इससे अवगत है कि केंद्र सरकार किस तरह तमिल भाषा को बढ़ावा देने वाले तमिल संगमम जैसे आयोजन कर रही है।

मज़हब, मानवता और वैचारिक संघर्ष का विमश : 'मज़हब ही तो सिखाता है आपस में बैर रखना'

उमेश कुमार सिंह

(पुस्तक समीक्षा)

भारतीय समाज में धर्म, मज़हब और मानवता के संबंधों को लेकर सदियों से विचार-विमर्श चलता रहा है, किंतु समकालीन समय में यह बहस और अधिक तीव्र और प्रासंगिक हो गई है। इसी संवेदनशील और जटिल विषय को केंद्र में रखकर लेखक डॉ. राकेश कुमार आर्य की पुस्तक 'मज़हब ही तो सिखाता है आपस में बैर रखना' एक वैचारिक हस्तक्षेप के रूप में सामने आती है। यह पुस्तक केवल धार्मिक विमर्श तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक संरचना, ऐतिहासिक घटनाओं और मानवीय मूल्यों के व्यापक परिप्रेक्ष्य में अपने तर्क प्रस्तुत करती है। प्रकाशन के क्षेत्र में प्रतिष्ठित संस्था डायमंड पॉकेट बुक्स द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक 'मज़हब ही तो सिखाता है आपस में बैर रखना' अपने तीखे दृष्टिकोण और स्पष्ट वैचारिक आग्रह के कारण विशेष ध्यान आकर्षित करती है।

पुस्तक का मूल कथ्य यह है कि मज़हब ने मानव को उसकी मूल पहचान से दूर कर दिया है। लेखक का मानना है कि मज़हब व्यक्ति को विभिन्न धार्मिक पहचान तो देता है, परंतु उसे वास्तविक अर्थों में 'मानव' बनने से रोकता है। यह विचार पुस्तक के आरंभिक अंशों से ही स्पष्ट रूप से सामने आता है, जहाँ लेखक समाज की उस प्रवृत्ति की आलोचना करते हैं जिसमें व्यक्ति का मूल्यांकन उसकी जाति, सम्प्रदाय और बाहरी पहचान के आधार पर किया जाता है। लेखक के अनुसार यह स्थिति मानवीय गरिमा के विपरीत है और समाज को विभाजन की ओर ले जाती है।

लेखक ने इस बात पर विशेष बल दिया है कि आधुनिक समाज में संवाद की शुरुआत भी अक्सर जाति और धर्म के प्रश्नों से होती है, जबकि मानवीय गुणों, ज्ञान और संवेदनशीलता पर चर्चा गौण हो गई है। यह अवलोकन न केवल सामाजिक यथार्थ को उजागर करता है, बल्कि पाठक को आत्ममंथन के लिए भी प्रेरित करता है। पुस्तक का यह भाग विशेष रूप से प्रभावशाली है क्योंकि यह पाठक को सीधे उसके अपने अनुभवों से जोड़ता है।

इतिहास के संदर्भ में लेखक ने यह स्थापित करने का प्रयास किया है कि विश्व के अधिकांश संघर्षों और युद्धों के पीछे मज़हबी कारण प्रमुख रहे हैं। क्रूसेड युद्धों से लेकर मध्यकालीन आक्रमणों तक, पुस्तक में अनेक उदाहरणों के माध्यम से यह दर्शाया गया है कि किस प्रकार धार्मिक उन्माद ने हिंसा और विभाजन को जन्म दिया। हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि लेखक का दृष्टिकोण कई स्थानों पर एकपक्षीय प्रतीत होता है, जहाँ कुछ विशेष समुदायों और विचारधाराओं की आलोचना अधिक तीव्र रूप में की गई है। यह पहलू पाठक को संतुलित दृष्टि से पढ़ने और समझने की आवश्यकता का संकेत देता है।

पुस्तक में 'धर्म' और 'मज़हब' के बीच एक स्पष्ट भेद स्थापित किया गया है। लेखक के अनुसार धर्म वह है जो मनुष्य को धारण करता है और उसे नैतिक तथा मानवीय बनाता है, जबकि मज़हब एक सीमित पहचान के रूप में कार्य करता है जो विभाजन को बढ़ावा देता है। वेदों के उद्धरणों के माध्यम से लेखक यह स्थापित करने का प्रयास करते हैं कि वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को 'मनुष्य' बनाना है। यह विचार भारतीय दार्शनिक परंपरा की उस मूल भावना को अभिव्यक्त करता है जिसमें मानवता को सर्वोच्च स्थान दिया गया है।

समकालीन संदर्भ में पुस्तक की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। आज जब समाज में सांप्रदायिक तनाव, असहिष्णुता और वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, ऐसे में यह पुस्तक एक चेतावनी के रूप में सामने आती है। लेखक ने यह इंगित किया है कि वैज्ञानिक प्रगति और भौतिक उन्नति के बावजूद मानव की सोच संकीर्ण होती जा रही है और आध्यात्मिक विकास लगभग शून्य की अवस्था में है। यह विश्लेषण आधुनिक समाज की एक महत्वपूर्ण विडंबना को उजागर करता है।

पर्यावरण और जीव-जंतुओं के संदर्भ में भी लेखक ने अपने विचार प्रस्तुत किए हैं, जहाँ वे कुछ धार्मिक मान्यताओं को पर्यावरणीय असंतुलन के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं।

युद्ध नहीं शान्ति से मानवता की रक्षा हेतु सयंम जरुरी

आज पूरे मीडिया में यूएस- इजराइल और ईरान के युद्ध के 1महीने से ऊपर का समाचार देख देख कर शान्ति भंग हो रही अब तो इस बहस में राजनेता भी अपनी सफाई दे रहें हैं जो राज्यसभा के सांसद भी हैं डिफेन्स एक्सपर्ट का तो समझा जा सकता है लेकिन राजनीती पार्टियों में इस पर बहस करना बिलकुल गलत है इसलिए इसपर किसी भी प्रकार के बयानबाजी से परहेज करना चाहिए कौन आतंकवादी पाल रहा है कौन मिट्टी में मिला देगा इससे अपने को क्या लेना देना अमेरिका के कुछ विमान युद्ध में गिरे और 1पायलेट को वहाँ से निकाल भी लिया तो उसकी ताकत समझ में नहीं आ रही है ईरान मिसायल और ड्रोन से अटैक कर रहा है जहाँ अमेरिका और इजराइल की भीषण बमबारी हो रही है वहाँ यदि जाने गईं है तो निर्दोष नागरिकों की अधिक संख्या है ईरान पर अमेरिका के आर्थिक बैन के बाद ना तो क़ोई लड़ाकू विमान नजर आए ना ही बचाव हेतु क़ोई हेलीकाप्टर ईरान को समझदारी से काम लेना चाहिए अपने नहीं लोगों के हित में क्योंकि जब से उसका सबसे बड़ा पुल अमेरिका ने तोड़ दिया इससे आम नागरिकों को ही परेशानी होगी जिसे बनने में 10 साल से ज्यादा लगे होंगे, आज टेक्नोलॉजी का युग है और जो देश टेक्नोलॉजी में आगे होगा बेशक नुकसान होगा लेकिन अन्त में विजय वही होगा जहाँ आसमान में 100-150 विमान ईरान में बम गिरा रहें हैं

संजय गोस्वामी

वहाँ 2 -4 विमान तो नष्ट हो गया तो उससे उसे क्या फर्क पड़ेगा इजराइल एक छोटा सा देश होकर कई फ्रंट पर युद्ध लड़ रहा है तो नुकसान होगा ही युद्ध विनाशकारी होता है और अमेरिका कभी आधा नहीं छोड़ेगा और उसे भी नुकसान काफी हुआ है लेकिन जहाँ तक आतंकवादी के सपोर्ट करने का सवाल है वहाँ ईरान से ज्यादा तो पाकिस्तान है उसे अमेरिका को ठोकना चाहिए सारा युद्ध अरब में खलीफा बनने की होड़ और निर्दोष नागरिक की मौत का तांडव नृत्य से मानवता शर्मसार हो रही है ईरान और अमेरिका -इजराइल युद्ध से भारत का क्या लेना देना, ऐ उनका युद्ध है वो समझें 1984 में मैं जब टीवी जो ब्लैक एंड वाइट था वहाँ सलमा आगा टीवी पर इराक - ईरान युद्ध के बारे में अन्त में समाचार में सुनता था जो 10 साल तक चली युद्ध में किसी भी देश को कमजोर नहीं समझना चाहिए और शान्ति से ही समाधान निकालना चाहिए बड़बोलापन युद्ध में आग में घी डालने का काम करता है इससे बचना चाहिए विश्व शांति का मूल उपाय युद्ध और हथियार में नहीं समझदारी और इंसानियत में ही निहित है।विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात् प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।इस युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है जो आप नहीं देख पा रहें हैं इसमें कई भारतीय भी हैं इससे युद्ध में झोंके गए लोगों का जीवन अस्त व्यस्थ हो गया है इस जंग में अमेरिका के सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 1महीने से ऊपर चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत

हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिए,इस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये युद्ध नहीं मानवता को समझना चाहिए, विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था। इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया। दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए। डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों या इससे भी अधिक रहता है व जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता है इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु शांति का संकल्प लेने पर जोर दिया जाना चाहिए ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने व लाखों निर्दोष नागरिकों की मौत ना हो व मानवता जिन्दा रहे । विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है । इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी। मानवता के आधार पर इन्सान यह सोचे कि मैं आक्रमणकारी नहीं बनूं और न ही सहयोग दूंगा। इस दृढ़ संकल्प द्वारा वह शांति का शंखनाद करने में कदापि पीछे नहीं रहेगा। वर्तमान में इसकी महत्ती आवश्यकता है। इसी प्रकार एक-दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब अन्य देश आपस में लड़ने वाले किसी एक देश की आक्रामक नीति में भागीदार बनता है, उसे ममदद देता है, सहयोगी के रूप से दुश्मन समझने वाले देश से युद्ध करता है तब वहाँ सर्वत्रा विनाश ही विनाश होने की संभावना बढ़ती है। ऐसी विषम स्थिति में विश्व शांति को कभी भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। विनाश की इस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए आक्रामक देश को समर्थन सहयोग नहीं देने का संकल्प अणुव्रतों को आधार मानकर किया जाय तो विश्व शांति की स्थिति बन सकती है और इन्सानों को अकाल मृत्यु, बेमौत मरने से बचाया जा सकता है। वहाँ परिवार और समाज में स्नेह, आत्मीयता,भाईचारे की भावना के साथ सहयोग एवं सहानुभूति कर संकल्प लिया जाय तो इन्सान का जीवन स्वर्गमय बन सकता है। ऐसे इन्सान को सुख, चैन, शान्ति से जीवनयापन करने से कोई रोक नहीं सकता।आप ईरान में इस युद्ध की तबाही को नहीं देखा है कैसे खाने पीने और पानी की किल्लत हो रही है और बड़ी संख्या में निर्दोष नागरिकों की मौत हुई है वहीं उसके परोसी देशों में भी कई नागरिकों की जान गईं और उनका अर्थव्यवस्था बुरी तरह नष्ट हो रही है वहाँ तो आपस में ही संघर्ष हो रहा है जहाँ सिर्फ और सिर्फ खौफ व निर्दोष इंसान मारे गए है इसमें इजराइल भी शामिल है अतः जनहित में जंग को रोकना चाहिए।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

हरियाणा के विश्वविद्यालयों में भ्रष्टाचार का काला सच

(चार प्रमुख विश्वविद्यालयों में वित्तीय घोटाले, भर्ती अनियमितताएं और सत्ता के दुरुपयोग ने शिक्षा व्यवस्था पर खड़े किए गंभीर सवाल) हरियाणा के उच्च शिक्षा क्षेत्र में हाल ही में सामने आया भ्रष्टाचार का मामला न केवल राज्य की चार प्रमुख विश्वविद्यालयों की साख को धक्का पहुंचाने वाला है, बल्कि यह पूरे शैक्षणिक ढांचे की विश्वसनीयता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। जिन विश्वविद्यालयों का नाम इस विवाद में सामने आया है—महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक; गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार; दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल; और श्री कृष्ण आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र—ये सभी अपने-अपने क्षेत्रों में लंबे समय से शिक्षा के महत्वपूर्ण केंद्र रहे हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेकिन अब इन संस्थानों के शीर्ष पदों पर बैठे कुलपतियों पर लगे भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितताओं, भर्ती घोटालों और पद के दुरुपयोग के आरोपों ने इनकी छवि को गहरा नुकसान पहुंचाया है।

राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (स्ङ्क्ष्ठ्क) द्वारा 1-2 अप्रैल 2026 को शुरू की गई जांच ने इस पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। यह केवल कुछ व्यक्तियों की कथित गलतियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक प्रणालीगत विफलता की ओर इशारा करता है, जहां शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र में भी पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव दिखाई देता है। इन आरोपों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि उच्च शिक्षा संस्थानों का नेतृत्व ही संदिग्ध हो, तो वहां पढ़ने वाले छात्रों का भविष्य किस प्रकार प्रभावित हो सकता है।

सबसे चौंकाने वाला मामला दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल से जुड़ा हुआ है। यहां के कुलपति पर लगभग 50 करोड़ रुपये के छात्र कल्याण कोष के गबन का आरोप है। आरोपों के अनुसार, इस राशि को सरकारी बैंकों में उच्च ब्याज दर पर सुरक्षित रखने के बजाय निजी बैंकों में कम ब्याज पर फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश किया गया, जिससे विश्वविद्यालय को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। यह केवल वित्तीय लापरवाही का मामला नहीं लगता, बल्कि इसमें सुनियोजित अनियमितता की आशंका भी जताई जा रही है। यदि ये आरोप सही साबित होते हैं, तो यह न केवल प्रशासनिक विफलता बल्कि नैतिक पतन का भी उदाहरण होगा।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में भी गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। यहां पौधारोपण के नाम पर बड़े पैमाने पर वित्तीय घोटाले की बात कही जा रही है। कागजों में हजारों पौधों की खरीद और रोपण दिखाया गया, लेकिन वास्तविकता में इनका कोई अस्तित्व नहीं मिला। इसके अलावा, भर्ती प्रक्रियाओं में भी पक्षपात और नियमों की अनदेखी के आरोप लगे हैं, जहां योग्य उम्मीदवारों को दरकिनार कर पसंदीदा व्यक्तियों को नौकरी दी गई।

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार में गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती में बड़े स्तर पर अनियमितताएं सामने आई हैं। यहां आरक्षण नियमों का उल्लंघन, चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और बिना आवश्यक योग्यता के नियुक्तियां किए जाने के आरोप हैं। यह स्थिति न केवल संस्थान की प्रशासनिक क्षमता पर सवाल उठाती है, बल्कि यह सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के भी खिलाफ है।

इसी तरह, श्री कृष्ण आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में भी भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ियों और आरक्षण रोस्टर के उल्लंघन की शिकायतें सामने आई हैं। आयुर्वेद जैसे पारंपरिक चिकित्सा विज्ञान के विकास के लिए स्थापित इस संस्थान में इस प्रकार की अनियमितताएं बेहद चिंताजनक हैं।

इन सभी मामलों में एक समान पैटर्न दिखाई देता है—पद का दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताएं, और प्रशासनिक निर्णयों में पारदर्शिता का अभाव। यह स्थिति अचानक उत्पन्न नहीं हुई है, बल्कि इसके पीछे वर्षों से चली आ रही एक कमजोर और राजनीतिक रूप से प्रभावित प्रणाली है। हरियाणा में विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्तियां लंबे समय से राजनीतिक प्रभाव के अधीन रही हैं, जहां योग्यता और अनुभव की बजाय नजदीकी और वफादारी को प्राथमिकता दी जाती रही है। इसका परिणाम यह हुआ कि संस्थानों में जवाबदेही और नैतिकता कमजोर होती गई।

जांच एजेंसियों द्वारा की जा रही कार्रवाई का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यह जांच निष्पक्ष और समयबद्ध हो। अक्सर देखा गया है कि इस प्रकार के मामलों में प्रारंभिक कार्रवाई तो होती है, लेकिन बाद में राजनीतिक दबाव या प्रशासनिक ढिलाई के कारण मामले ठंडे बस्ते में चले जाते हैं। यदि इस बार भी ऐसा हुआ, तो यह न केवल दोषियों को बचाने का काम करेगा, बल्कि जनता के विश्वास को भी गहरा आघात पहुंचाएगा।

इस पूरे मामले का सबसे बड़ा प्रभाव छात्रों पर पड़ रहा है। विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले हजारों छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। जब संस्थान के संसाधनों का दुरुपयोग होता है, तो इसका सीधा असर शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ता है। प्रयोगशालाओं की कमी, योग्य शिक्षकों की अनुपलब्धता, और बुनियादी सुविधाओं का अभाव छात्रों के शैक्षणिक विकास में बाधा बनता है। ऐसे में छात्रों का मनोबल गिरता है और उनके करियर की संभावनाएं प्रभावित होती हैं।

हरियाणा जैसे राज्य में, जहां पहले से ही बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है, इस प्रकार के घोटाले युवाओं में निराशा और असंतोष को बढ़ाते हैं। जब उन्हें यह महसूस होता है कि मेहनत और योग्यता के बावजूद अवसर निष्पक्ष रूप से नहीं मिलेंगे, तो यह सामाजिक असंतुलन को भी जन्म देता है।

इस स्थिति से निपटने के लिए केवल जांच और सजा पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले, कुलपति और अन्य उच्च पदों पर नियुक्तियों की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और योग्यता आधारित बनाया जाना चाहिए। इसके लिए स्वतंत्र चयन समितियों का गठन किया जा सकता है, जो राजनीतिक प्रभाव से मुक्त होकर निर्णय लें।

दूसरे, विश्वविद्यालयों में वित्तीय लेन-देन की नियमित और स्वतंत्र ऑडिटिंग अनिवार्य की जानी चाहिए। इससे फंड के दुरुपयोग को समय रहते रोका जा सकेगा। तीसरे, भर्ती प्रक्रियाओं को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना कम हो।

इसके अलावा, छात्रों और शिक्षकों को भी संस्थान के प्रशासन में अधिक भागीदारी दी जानी चाहिए, ताकि वे किसी भी गड़बड़ी के खिलाफ आवाज उठा सकें। सूचना का अधिकार (ऋह्लढ्ढ) और मीडिया की सक्रिय भूमिका भी इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती है। अंततः, यह मामला केवल हरियाणा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश के लिए एक चेतावनी है। यदि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में भ्रष्टाचार को नियंत्रित नहीं किया गया, तो इसका असर देश के विकास पर पड़ेगा। विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने के केंद्र नहीं होते, बल्कि वे समाज के बौद्धिक और नैतिक विकास के आधार होते हैं।

इसलिए आवश्यक है कि सरकार, न्यायपालिका और समाज मिलकर इस समस्या का समाधान करें। दोषियों को कड़ी सजा दी जाए और एक ऐसी प्रणाली विकसित की जाए, जिसमें पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी सर्वोच्च प्राथमिकता हो। तभी हम एक मजबूत और विकसित राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं, जहां युवाओं का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल हो।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

स्वरूपनगर-लाजपतनगर के नर्सिंगहोम से जुड़े तार, खूनी खेल में शामिल थीं दो टीमें, मददगारों की तलाश

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में अवैध तरीके से हुए किडनी ट्रांसप्लांट के तार स्वरूपनगर और लाजपतनगर के बड़े नर्सिंगहोम से जुड़ रहे हैं। यहां जेल भेजे गए शिवम अग्रवाल का आना-जाना था। दोनों जगह के कुछ स्टाफ भी आहूजा हॉस्पिटल में अक्सर आते थे। पुलिस ने दोनों नर्सिंगहोम के अधिकारियों और कुछ कर्मचारियों से शनिवार को पूछताछ की है। उन्हें बिना बताए कहीं भी बाहर जाने के लिए मना किया है।

केशवपुरम के आहूजा हॉस्पिटल में रविवार को हुए मुजफ्फनगर की पारुल तोमर को बेगूसराय के आयुष की किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी। ट्रांसप्लांट करने के लिए एक टीम गाजियाबाद और दूसरी लखनऊ से आई थी। पुलिस ने गाजियाबाद वाली टीम में शामिल कुलदीप सिंह राघव और राजेश तोमार को जेल भेजा जबकि ओटी मैनेजर मुदस्सर अली सिद्दीकी की तलाश की जा रही है।

अली की पत्नी भी ओटी टेक्नीशियन है : पुलिस ने उसकी पत्नी

से उत्तमनगर स्थित फ्लैट में पूछताछ की है। अली की पत्नी भी ओटी टेक्नीशियन है। दूसरी टीम में डॉ. सैफ, डॉ. अखिलेश, डॉ. कैफ समेत अन्य की जानकारी जुटाई जा रही है। इसी तरह दिसंबर 2025 में मेडिलाइफ हॉस्पिटल में महिला की हुई किडनी ट्रांसप्लांट हुई थी। उसमें भी कुलदीप सिंह राघव, राजेश तोमर, अली, डॉ. रोहित समेत अन्य लोग आए थे।

स्वरूपनगर के नर्सिंगहोम में कार्य करता था : पुलिस को दोनों ही टीमों में शामिल कुछ लोगों की जानकारी हुई है। डीसीपी पश्चिम जोन एमएस कासिम आबिदी ने बताया कि लखनऊ से आई टीम में एक टेक्नीशियन भी शामिल था। अब तक हुई जानकारी में पता चला है कि उसका लखनऊ में नर्सिंगहोम है। वह कुछ समय पहले स्वरूपनगर के नर्सिंगहोम में कार्य करता था । इसके कुछ दिन बाद तक लाजपतनगर के नर्सिंगहोम से जुड़ा हुआ था।

उनके संचालकों ने भी सहयोग किया : अब उसने लखनऊ में खुद का नर्सिंगहोम खोल लिया है। उससे जेल गए शिवम अग्रवाल का अक्सर मिलना जुलना रहता था। शिवम भी दोनों नर्सिंगहोम में आता-जाता था। वहां के कुछ स्टाफ को आहूजा हॉस्पिटल और मेडलाइफ हॉस्पिटल में आने की जानकारी हुई है। पुलिस ने दोनों नर्सिंगहोम से चार-पांच लोगों से पूछताछ की है। वहां के अधिकारियों को भी इसकी जानकारी दे दी गई है। अब तक उनके संचालकों ने भी सहयोग किया है। प्रकरण के दौरान चर्चा में आए न्यू मान्या अस्पताल के संचालक डॉ. एसके सैनी ने किडनी रैकेट मामले में अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहा है कि उनका इस रैकेट से कोई लेनादेना नहीं है। मान्या अस्पताल में अभी काम चल रहा है। इसके दस्तावेज मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय भिजवा दिए हैं। ऑनलाइन आवेदन भी किया है। जैसे ही अस्पताल का लाइसेंस मिलता है। इसके बाद ही रोगी भर्ती कर इलाज किया जाएगा।

मेडिलाइफ हॉस्पिटल के संचालकों को उठाया : पुलिस ने शनिवार को मेडिलाइफ हॉस्पिटल के संचालक रहे रोहन और नरेंद्र को पूछताछ के लिए उठाया गया है। उनसे कुछ जानकारी मिली है। पुलिस लखनऊ से आई टीम के बारे में साक्ष्य एकत्रित कर रही है। डीसीपी पश्चिम ने बताया कि दोनों संचालकों के अलावा दिल्ली में अली की पत्नी से भी पूछताछ की गई है। एक टीम मेरठ और दूसरी गाजियाबाद में सक्रिय है। डीसीपी पश्चिम एमएम कासिम आबिदी के मुताबिक डॉ. रोहित, डॉ. वैभव, डॉ. अफजल, डॉ. अमित, मुदस्सर अली सिद्दीकी समेत अन्य की तलाश की जा रही है। डॉ. वैभव डेंटिस्ट और डॉ. अफजल जनरल फिजीशियन बताया जा रहा है। डॉ. अमित फिजियोथेरेपिस्ट है। मेरठ के अल्फा अस्पताल से जुड़े हुए हैं।

अवैध तरीके से चल रहे किडनी ट्रांसप्लांट के खेल में पुलिस को किडनी डोनर ग्रुप की जानकारी मिली है। इसमें 500 से अधिक लोग जुड़े हुए हैं। उनके बीच डोनर, रिसीवर लाने और उन्हें भर्ती कराने की डिटेल है।

दुबई में बैठा आकिब ऑपरेट कर रहा आतंकी मॉड्यूल

राजधानी में विस्फोट करने पहुंचे थे

लखनऊ, एजेंसी। यूपी एटीएस ने बृहस्पतिवार को मेरठ के साकिब उर्फ डेविल, अरबाब, गौतमबुद्धनगर के विकास उर्फ रौनक और लोकेश उर्फ पपला पंडित को गिरफ्तार किया था। ये सभी लखनऊ रेलवे स्टेशन पर विस्फोट करने की साजिश रचकर उसको अंजाम देने पहुंचे थे।

एफआईआर में आकिब का नाम भी शामिल : एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि आरोपी साकिब का कनेक्शन मेरठ के ही रहने वाले आकिब से है। आकिब लंबे समय से दुबई में है। उसी ने साकिब को सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम व टेलीग्राम) के जरिये पाकिस्तानी हैंडलर्स से संपर्क कराया था। उसके बाद साकिब सीधे हैंडलर्स से बात कर उनको जानकारियां उपलब्ध करवा रहा था। एफआईआर में आकिब का नाम भी शामिल किया गया है।

आकिब को मॉड्यूल तैयार करने की जिम्मेदारी : सूत्रों के मुताबिक, आकिब पाकिस्तान के बड़े हैंडलर्स के संपर्क में है। जिसकी जिम्मेदारी भारत में इस तरह के मॉड्यूल तैयार करना है। उसके जरिये और कौन कौन लोग हैंडलर्स से जुड़े? वह कहां के हैं? इन पहलुओं पर अब एटीएस की तरफ्तीश चल रही है। वह पकड़ा न जाए इसलिए दुबई को ठिकाना बनाए हुए हैं। सोशल मीडिया के जरिये ही ऑपरेट कर रहा है। अब उस पर शिकंजा कसेगा। एटीएस के पास उसके बारे में पूरी जानकारी है।

एके-47 के साथ फोटो, यहीं से लगा सुराग : एडीजी एलओ के मुताबिक आकिब ने अपने सोशल मीडिया में हथियारों के साथ फोटो डाली हैं। कई फोटो में एके-47 भी है उसके पास। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आकिब पाकिस्तान के बड़े आतंकी संगठन के संपर्क में है।

वाराणसी में मेयर ने दिए निर्देश, दाखिल-खारिज में देरी और अनियमितता पर नपेंगे कर्मचारी; अंतिम चेतावनी दी

वाराणसी, एजेंसी। कहा कि जनहित के कार्यों में हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। 45 दिनों में दाखिल-खारिज का निस्तारण नहीं हुआ तो संबंधित पटल के कर्मचारी पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। मेयर ने नगर स्वास्थ्य अधिकारी (एनएसए) सुरेंद्र कुमार चौधरी को कार्यप्रणाली सुधारने के लिए एक सप्ताह की मोहलत दी है। कहा कि जनता को परेशान करने वाले अधिकारी और कर्मचारी अपनी कार्यशैली बदल लें नहीं तो बाहर जाने को तैयार रहे।

मेयर ने दिए निर्देश : दुकानों के सामने अतिक्रमण को एक सप्ताह में हटाने का निर्देश दिया गया है। ऐसा नहीं करने पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाने की बात कही। कहा कि इस दौरान जुर्माना भी वसूला जाएगा। मेयर ने पेयजल आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। ताकि गर्मी में पेयजल का संकट न हो सके। समीक्षा में यह बात भी सामने आई कि नौ में से

तीन ओवरहेड टैंक डिस्ट्रीब्यूशन लाइन न होने के कारण बेकार पड़े हैं। ठेकेदार की ओर से काम रोकने की बात पर मेयर ने नाराजगी जताते हुए जलकल के महाप्रबंधक से एक सप्ताह में कार्य पूरा कराने को कहा। जल निगम के अधिकारियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करने की चेतावनी दी। बैठक के मेयर ने सकारात्मक ऊर्जा भरने का भी प्रयास किया । कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा और उन्हें परिवार सहित भ्रमण पर जाने का अवसर दिया जाएगा।

15 जून से पहले होगी नालों की सफाई : मानसून से पहले शहर को जलभराव से मुक्त करने के लिए मेयर ने छह अप्रैल से नाला सफाई अभियान को तेज करने का निर्देश दिया। नालों को ए, बी, सी श्रेणियों में बांटकर 15 जून से पहले सफाई पूर्ण करने को कहा। अपर नगर आयुक्त को गोशालाओं में बेहतर साफ-सफाई, टीकाकरण और पौधरोपण के निर्देश दिए ताकि गोवंशों की मृत्यु दर शून्य रहे।

पक्के महाल के शाही नाले और शहर के पुराने कुओं के सौंदर्यीकरण पर भी विशेष बल दिया गया। दो साल में लगाए गए 28 हजार पौधों की स्थिति, सड़कों के निर्माण की गुणवत्ता, सीवर-पेयजल की स्थिति और सफाई व्यवस्था की जांच करने का निर्देश दिया। कहा कि सोमवार से वह खुद खुद फील्ड में उतरेंगे। सुबह 7. 30 बजे से ही वार्डवार निरीक्षण अभियान शुरू होगा।

राजस्व वसूली के लिए बनेगी ठोस योजना : नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने राजस्व वसूली को लेकर अधिकारियों को सक्रिय किया। उन्होंने गृहकर, जलकर, लाइसेंस शुल्क, दुकानों के किराये की वसूली के लिए वित्तीय वर्ष 2026 27 में तत्काल ठोस कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। ताकि वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही लक्ष्य प्राप्ति की जा सके।

डिजिटल लेनदेन में यूपी ने तोड़ा रिकॉर्ड, यूपीआई सबसे लोकप्रिय

करीब 1566 करोड के ट्रांजैक्शन हुए

लखनऊ, एजेंसी। बैंकिंग रिपोर्ट के अनुसार, लेनदेन की संख्या के आधार पर यूपीआई (भीम/यूपीआई) सबसे लोकप्रिय माध्यम बनकर उभरा है। कुल लेनदेन में लगभग 1566 करोड़

ट्रांजेक्शन यूपीआई और क्यूआर कोड के जरिये हुए। इससे स्पष्ट है कि छोटे भुगतान से लेकर रोजमर्रा के खर्चों तक में यूपीआई का व्यापक उपयोग हो रहा है। वहीं, लेनदेन की कुल राशि (वैल्यू) के हिसाब से आईएमपीएस (तत्काल भुगतान सेवा) सबसे आगे रहा। बड़े भुगतान और त्वरित बैंक ट्रांसफर के लिए लोगों ने इस माध्यम को प्राथमिकता दी।

कार्ड आधारित भुगतान की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही : इस अवधि में क्रेडिट और डेबिट कार्ड का उपयोग भी बढ़ा है।

इन माध्यमों से करीब 1.09 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए, जो दर्शाता है कि शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में कार्ड आधारित भुगतान की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि बैंकों ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई और क्यूआर कोड जैसी सेवाओं का तेजी से विस्तार किया है।

दो हिस्सों में बंटी बैंकिंग प्रणाली : आंकड़ों के अनुसार बैंकिंग प्रणाली दो हिस्सों में बंटी नजर आती है। यूपीआई जैसे बड़े प्लेटफॉर्म पर पब्लिक सेक्टर बैंकों की पकड़ मजबूत है, क्योंकि इनका नेटवर्क गांव से शहर तक फैला है और ग्राहक आधार बड़ा है। वहीं, प्राइवेट सेक्टर बैंक तकनीक आधारित सेवाओं जैसे आईएमपीएस, भारत क्यूआर और कार्ड भुगतान में आगे हैं। इसकी प्रमुख वजह बेहतर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, तेज सेवाएं और शहरी ग्राहकों पर मजबूत पकड़ है।

यूनियन बैंक के महाप्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि राज्य सरकार के सहयोग और बैंकों के अथक प्रयास का परिणाम है कि डिजिटल लेनदेन में यूपी सबसे आगे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह पब्लिक सेक्टर बैंकों का गांव-कस्बों तक फैला नेटवर्क है। आरबीआई और सरकार के साथ लगातार वित्तीय जागरूकता अभियानों का भी इसमें योगदान है।

ओटीटी ने गुमनाम कलाकारों को दिया नया जीवन : रवि किशन

लखनऊ, एजेंसी। भोजपुरी फिल्मों के स्टार, अभिनेता और सांसद रवि किशन ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने उन गुमनाम कलाकारों को नया जीवन दिया है जो प्रतिभा के धनी होने के बावजूद फिल्मों में काम न मिलने की वजह से किनारे हो गए थे। युवाओं को भी उनकी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म काफी अहम भूमिका निभा रहा है। वे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ रही वेब सीरीज के प्रमोशन के लिए अभिनेता अनंत जोशी के साथ शनिवार को लखनऊ में थे।

गोमतीनगर के एक होटल में रवि किशन ने कहा कि उत्तर प्रदेश में फिल्मों की शूटिंग के लिए माहौल बहुत ही सकारात्मक है। कला को सम्मान और कलाकारों को काम मिल रहा है। नए कलाकारों से मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगा कि वे पूरे मनोयोग से काम करें, संघर्ष से न घबराएं, एक दिन उनके भाग्य का सूर्योदय जरूर होगा।

धुरंधर फिल्म पर कहा कि जो लोग भी इसे प्रोपेगंडा बता रहे हैं, वे गलत हैं क्योंकि यह सच को आईना दिखाती फिल्म है। मेरा मानना है कि अगर इतिहास में कुछ भी गलत पढ़ाया जाता रहा है तो उसे सुधारना भी जरूरी है। फिल्म इंडस्ट्री को धुरंधर ने नई रोशनी दिखाई है। इतनी बड़ी संख्या में दर्शकों को सिनेमाहालों तक खींचने में यह फिल्म कामयाब रही है। ओटीटी पर आ रही वेब सीरीज के प्रमोशन के लिए लखनऊ पहुंचे रवि किशन ने कहा कि यह सच्ची घटनाओं से प्रेरित है।

अनंत जोशी ने कहा कि यह एक ऐसी वेब सीरीज है जो आप पूरे परिवार के साथ बैठकर देख सकते हैं। रवि किशन ने कहा कि राजनीति में आने के पीछे मेरा कोई सपना नहीं है बल्कि मैं सिर्फ समाजसेवा के लिए यहां आया हूं। सीएम योगी और पीएम मोदी की वजह से जनता आपको एक बार जिता सकती है लेकिन दोबारा तो आपका काम ही आपकी जीत का आधार बनेगा।

उपभोक्ता से पूछे बिना स्मार्ट मीटर को प्रीपेड में बदलने को लेकर विवाद

लखनऊ , एजेंसी।

प्रदेश में 78 लाख उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। इसमें 70.50 लाख उपभोक्ताओं के यहां प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगा दिया गया है। पिछले दिनों लोकसभा में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने बयान देकर स्थिति स्पष्ट कर दी है।

उन्होंने साफ कहा कि बिना उपभोक्ता की इजाजत लिए मीटर को पोस्ट या प्रीपेड में नहीं बदला जा सकता है। यह उपभोक्ता पर निर्भर करता है कि वह प्रीपेड मीटर लगवाना चाहता है अथवा पोस्टपेड।

मीटर को पोस्टपेड में बदलने के लिए आ रहे आवेदन : उनके इस बयान के सामने आने के बाद ऊर्जा विभाग के कार्यालयों में बिना अनुमति प्रीपेड किए गए मीटरों को पोस्टपेड में बदलने के लिए आवेदन आने लगे हैं।

बिजली बिल बढ़ने की भी शिकायत

अधिशासी अभियंताओं का कहना है कि काम का बोझ पहले से है। ऐसे में मीटर को लेकर शुरू हुआ नया विवाद अब अलग तरह की समस्या लेकर आया है। जबकि पॉवर कॉर्पोरेशन से उन्हें प्रीपेड मीटर लगाने का ही आदेश दिया गया था।

कॉर्पोरेशन के अधिकारी इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। निदेशक (वाणिज्य) प्रशांत वर्मा कहते हैं कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर उपभोक्ता के लिए ज्यादा फायदेमंद है। वह जितनी बिजली खर्च करेगा, उतने रुपये जमा करते रहेगा। ऐसे में उस पर एकमुश्त भार नहीं पड़ेगा।

जबरन प्रीपेड मीटर लगाना कानून का उलंघन- वर्मा : राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने जबरन प्रीपेड मीटर लगाने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर और ऊर्जा सचिव को पत्र भेजा है।

पत्र में आरोप लगाया कि प्रदेश के उपभोक्ताओं के यहां जबरन प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है, जबकि पहले उपभोक्ताओं की सहमति लेना अनिवार्य है। बिना उपभोक्ता से पूछे प्रीपेड मीटर लगाना विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 47(5) का स्पष्ट उल्लंघन है।उन्होंने मांग की है कि राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

केस 1: लखनऊ के नीलमथा निवासी प्रमोद कुमार ने अधिशासी अभियंता (मीटर) को पत्र लिखकर बिना अनुमति के प्रीपेड मीटर लगाने का आरोप लगाया है। बताया कि 14 साल पुराना कनेक्शन है। सोलर भी लगा हुआ है। प्रीपेड मीटर लगने से पहले से ज्यादा बिल आ रहा है। उन्होंने प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड में बदलने की गुहार लगाई है।

केस 2 : जौनपुर निवासी राम अवध सिंह का आरोप है कि मीटर बदलने के नाम पर उनके यहां प्रीपेड मीटर लगा दिया गया। जबकि वह पोस्टपेड की मांग कर रहे थे। उन्होंने भी बिना अनुमति लगाए गए मीटर को पोस्टपेड में बदलने की मांग की है।

सराफा कारोबारी से दिनदहाड़े 10 लाख की लूट, कनपटी पर तमंचा सटाकर जेवरात भरा बैग ले उड़े बदमाश

लखनऊ, एजेंसी। आलापुर के विमावल निवासी रोहित शर्मा की रामनगर बाजार में सराफा की दुकान है। उन्होंने शनिवार को बसखारी बाजार में कारोबारी मनोज सोनी की दुकान से करीब 10 लाख रुपये के हार, अंगूठी, नथनी समेत अन्य आभूषण खरीदे और बाइक की डिक्की में रखकर आलापुर के लिए रवाना हुए। रोहित के अनुसार, पटना मुबारकपुर के पास पीछे से काली बाइक पर हेलमेट पहनकर आए दो बदमाशों ने ओवरटेक कर उन्हें रोक लिया। पीछे बैठे बदमाश ने उनकी कनपटी पर असलहा सटाकर जान से मारने की धमकी दी। बाइक की चाबी छीनकर डिक्की में रखा आभूषणों से भरा बैग निकाल लिया। उन्होंने दुकान पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। बसखारी व आलापुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। एएसपी पश्चिमी हरेंद्र कुमार, सीओ सिटी नीतीश कुमार ने मुआयना किया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने स्वाट व सर्विलांस टीमों को भी जांच में लगाया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

नव युवक इंद्रलोक व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण

लखनऊ,एजेंसी। नवयुवक इंद्रलोक व्यापार मंडल की ओर से शनिवार को शपथ ग्रहण एवं होली मिलन समारोह हुआ। कृष्णानगर के टेक्निकल हाईस्कूल में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अमरनाथ मिश्रा, विशिष्ट अतिथि चेयरमैन राजेंद्र अग्रवाल, सविता गोयल ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। कमलेश यादव ने अध्यक्ष, जॉन स्टीफन ने वरिष्ठ महामंत्री पद की शपथ ली।डॉ. राजेश आर्या ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हरिकेश शर्मा ने कोषाध्यक्ष, राजेश प्रसाद लोधी ने महामंत्री, राजेश जायसवाल ने संरक्षक, डॉ. अशोक कुशवाहा ने मीडिया प्रभारी की शपथ ली। ललित कुमार ने उपाध्यक्ष, रामसनेही यादव ने प्रचार मंत्री, रविकांत यादव ने संयुक्त मंत्री, राजेश कुमार ने संगठन मंत्री पद की शपथ ली। सुप्रसिद्ध गायक जाहिद, कीर्ति वाजपेई ने गीतों की प्रस्तुति दी।

पोल्ट्री एक्सपो में नई तकनीक और नवाचार पर जोर

लखनऊ, एजेंसी। मुख्य अतिथि व अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम ने बताया कि प्रदेश में प्रतिदिन लगभग पांच करोड़ अंडों की खपत है और आने वाले समय में प्रोटीन के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण यह मांग और बढ़ेगी। उन्होंने पोल्ट्री सेक्टर को 2030 और 2047 के विकास लक्ष्यों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए युवाओं और महिलाओं को इस क्षेत्र से जोड़ने की अपील की। आयोजक बीवी शिवशकंर, डॉ. मनोज शुक्ला, डॉ. पीके शुक्ला (डीन, मथुरा यूनिवर्सिटी), डॉ. एयू किदवई, डॉ. शरद सिंह आदि ने भी विचार रखे। कानपुर के किदवईनगर से आए लखनऊ एफएम शेख ने चलती फिरती मीट की दुकान का प्रदर्शन किया। बताया कि कोई भी व्यक्ति अपनी गाड़ी देकर हमसे सवा लाख रुपये में मोडिफिकेशन करा सकता है। इसमें नीचे लगा टैंक वेस्टेज को बाहर नहीं निकलते देता। इससे हाईजीन मेंटेन रहती है।

डिजिटल फिल्म मेकिंग यूजिंग ड्रोन और एआई विषय पर कार्यशाला आज

वाराणसी , एजेंसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और जनसंप्रेषण विभाग के तत्वावधान में डिजिटल फिल्म मेकिंग यूजिंग ड्रोन और एआई विषय पर कार्यशाला 6 और 7 अप्रैल को कला संकाय के प्रेमचंद सभागार में होगी। एपीजे इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य स्नातक और परास्नातक छात्र-छात्राओं को डिजिटल फिल्म मेकिंग के बारे में विस्तृत जानकारी देना है। एआई के बदलते परिवेश में ड्रोन द्वारा फिल्म मेकिंग के बारे में भी छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यशाला का समन्वय पत्रकारिता और जन संप्रेषण विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बाला लखेंद्र करेंगे। आयोजन सचिव डॉ. धीरेंद्र कुमार राय और छात्र सलाहकार डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह होंगे। उद्घाटन बीएचयू के कुलपति प्रोफेसर अजित कुमार चतुर्वेदी करेंगे। अध्यक्षता कला संकाय की प्रमुख प्रो. सुषमा घिल्डियाल करेंगी

हिंदी कहानी की मुकम्मल आलोचना पुस्तक है उन्मुक्त रास्तों पर हिंदी कहानी - प्रो संजीव कुमार दुबे

वाराणसी , एजेंसी। समय-समय पर लिखे गए आलेखों की यह एक मुकम्मल किताब है जो बहुत तैयारी और जिम्मेदारी के साथ लिखी है साथ ही इस पुस्तक में अपने पूर्ववर्ती आलोचकों से,उनकी स्थापनाओं से लेखक जिरह करता दिखाई देता है। यह बातें बीएचयू के भोजपुरी अध्ययन केंद्र की ओर से किताब की बात शृंखला कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता प्रो. संजीव कुमार दुबे ने कहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर प्रो. कृष्ण मोहन ने कहा कि लेखक ने पूरी संपूर्णता के साथ काम लिया है जिसे मील का पत्थर माना जाना चाहिए। प्रो. नीरज खरे ने कहा कि नामकरण की आलोचना में चल रहे विभिन्न संबोधन हमें पढ़ने की सहूलियत देते हैं। उनमें अनेक प्रवृत्तियां दिखाई पड़ती हैं। उन्मुक्त शब्द को उन सब संबोधनों के लिए प्रस्तावित किया जा सकता है। विशिष्ट वक्ता संजय श्रीवास्तव ने पुस्तक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कहानी की आलोचना में जिन बातों को आना चाहिए था। वो संवाद उस तल्खी के साथ नहीं आ पाया। आज उन्मुक्त कहानी का दौर है इसलिए इस पुस्तक पर आज की यह चर्चा ऐतिहासिक है। स्वागत कर भोजपुरी अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रो. प्रभाकर सिंह ने पुस्तक को कहानी की परंपरा और आधुनिका पर की गई टिप्पणियों की महत्वपूर्ण पुस्तक बताया। कार्यक्रम का संचालन सचिन कुमार गुप्ता ने तथा धन्यवाद शिखा सिंह ने किया।इस अवसर पर प्रो. आशीष त्रिपाठी, डॉ. रविशंकर सोनकर, डॉ. प्रभात मिश्र, डॉ. अशोक ज्योति डॉ. विंध्याचल यादव, डॉ. विवेक सिंह, डॉ प्रियंका सोनकर, शैलेंद्र सिंह तथा बड़ी संख्या में शोधार्थी, विद्यार्थी एवं साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

9 किमी की पदयात्रा निकाल प्रदेश को नशामुक्त करने की मांग

वाराणसी , एजेंसी। नशा मुक्ति और काशी को नशामुक्त घोषित करने की मांग को लेकर भगवती मानव कल्याण संगठन के बैनर तले शनिवार को विशाल नशामुक्त पदयात्रा निकाली गई। बीएचयू से नदेसर तक नौ किमी तक निकली इस यात्रा में प्रदेशभर से तीन हजार से अधिक लोग शामिल हुए। साथ ही नारी शक्ति से नशा मुक्ति के लिए आवाज उठाने के लिए आगे आने का आह्वान किया गया। नशामुक्त प्रदेश बनाने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की गई। यात्रा में संगठन के कार्यकर्ताओं एवं नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी नशामुक्त परिवार व समाज और अपराध मुक्त समाज बनाने का संदेश दे रहे थे। उन्होंने नशामुक्ति का शंखनाद करते हुए प्रदेश सरकार से नशामुक्त प्रदेश बनाने की मांग की। पदयात्रा में पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम, मध्यप्रदेश की केंद्रीय अध्यक्ष शक्ति स्वरूप बहन पूजा शुक्ला, संगठन के केंद्रीय महासचिव अजय अवस्थी, चेतना आरुणि आदि ने लोगों को नशे से होने वाले नुकसान और इसे छोड़ने के बाद होने वाले फायदे के बारे में बताया।

वायु प्रदूषण का हाल जानने लखनऊ से आई टीम ने जाना पौधरोपण का हाल

बरेली , एजेंसी। वायु प्रदूषण की रोकथाम और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में शहर में कराए गए कार्यों को परखने के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की तीन सदस्यीय वैज्ञानिक टीम ने शनिवार को शहर का निरीक्षण किया। लखनऊ से आई इस टीम ने नगर निगम की ओर से कराए जा रहे कार्यों की हकीकत परखी। सराय तल्फी में पुराने डलावघर के स्थान पर मियावाकी पद्धति से विकसित किए गए शहरी वन की सराहना की और इसके विस्तार का निर्देश दिया। इसे वायु गुणवत्ता सुधारने की दिशा में बेहतर प्रयास बताया। टीम ने सौ फुटा रोड पर चल रहे निर्माण कार्यों के दौरान धूल पर नियंत्रण के लिए अपनाए जा रहे मानकों को परखा और जरूरी निर्देश किए। बाकरगंज स्थित मुख्य डलावघर में पुराने कचरे के निस्तारण की प्रक्रिया भी देखी। कचरा प्रबंधन के आधुनिक तरीकों और उनके पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया। शासन की ओर से प्रदूषण नियंत्रण मद में जारी की गई धनराशि के उपयोग की भी जांच की। अब टीम आगामी कार्रवाई के लिए शासन और केंद्रीय बोर्ड को अपनी रिपोर्ट देगी।

बेहतर है बरेली की रैंकिंग : वायु प्रदूषण नियंत्रण के मामले में शहर की रैंकिंग देश और प्रदेश के अन्य प्रमुख शहरों की तुलना में काफी बेहतर रही है। इसमें और सुधार के लिए नगर निगम लगातार प्रयासरत है। पर्यावरण अभियंता राजीव कुमार राठी ने बताया कि वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए नगर निगम दीर्घकालिक योजना पर काम कर रहा है। केंद्रीय टीम ने भविष्य के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। शहर में हरित पट्टी का विस्तार और कूड़ा निस्तारण की वैज्ञानिक पद्धति प्राथमिकता में है। निरीक्षण के बाद वैज्ञानिकों का दल लखनऊ लौट गया।

रोहतक जिमखाना ने टेलीफुंकेन क्रिकेट क्लब को सात विकेट से हराया

गाजियाबाद एजेंसी। 11वीं ऑल इंडिया राजपति मिश्रा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट फॉर स्पोर्ट्स सन ट्रॉफी में रोहतक रोड जिमखाना ने टेलीफुंकेन क्रिकेट क्लब को सात विकेट से हराया। रोहतक रोड जिमखाना की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टेलीफुंकेन क्रिकेट क्लब ने 40 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 240 रन बनाए। टेलीफुंकेन के सौरभ देसवाल ने सर्वाधिक 45 रन, नमित ने नाबाद 39 रन और भारत सिंधवानी ने 33 रन का योगदान दिया। जवाब में रोहतक रोड जिमखाना की टीम ने 25.4 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 244 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। रोहतक रोड जिमखाना के श्रेष्ठ यादव ने 57 गेंदों में 127 रन की तूफानी पारी खेली। इसके अलावा दक्ष ड्राल ने 41 रन, ध्रुव कौशिक ने 33 रन और नैतिक माथुर ने नाबाद 28 रन बनाए। टेलीफुंकेन की ओर से आयुष कुमार ने दो विकेट चटकाए। मैच जिताऊ पारी के लिए श्रेष्ठ यादव को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

बैंक ने 32 लाख रुपये नहीं लौटाए तो तहसील पर आत्मदाह करने की चेतावनी दी

गाजियाबाद , एजेंसी। श्रीनगर कॉलोनी निवासी चिकित्सक डॉ. एसके शर्मा ने बैंक खातों से निकाले गए 32 लाख रुपये लौटाने की मांग करते हुए शनिवार को परिवार समेत तहसील पर प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शीघ्र ही उनकी रकम नहीं लौटाई गई तो उनके पास आत्मदाह के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मजबूरन वह तहसील मुख्यालय पर आत्मदाह करेंगे। डॉ. एसके शर्मा ने बताया कि उज्जीवन बैंक में उनके दो खाते हैं। लगभग डेढ़ महीने पहले उनके बैंक खातों से 32 लाख रुपये निकाल लिए गए। आरोप है कि बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से उनके खातों से रकम निकाली गई। उन्होंने बैंक के बाहर अनिश्चितकालीन धरना दिया था और घटना की प्राथमिकी भी दर्ज कराई। जानकारी मांगने पर बैंक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे रहा है। उनकी बेटी का रिश्ता तय हो चुका है। उन्होंने सवाल किया कि रकम नहीं होने के कारण वह बेटी की शादी कैसे करें। उन्होंने चेताया कि अगर बैंक ने उनकी रकम नहीं लौटाई तो वह तहसील पर आत्मदाह करेंगे। उपजिलाधिकारी अजीत सिंह ने उन्हें कार्रवाई का भरोसा दिया।

हाईवे पर चार वाहनों की भिड़त, 12 घायल

मेरठ , एजेंसी। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सोलाना गांव के सामने शुक्रवार देर रात चार कार आपस में टकरा गईं। हादसे में कार सवार 12 लोग चोट लगने से घायल हो गए। हादसा इतना जबरदस्त था कि कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। शताब्दी नगर निवासी विशाल वर्मा ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ विकास, शकुंतला और आर्यन के साथ शाहदरा से शादी से वापस लौट रहे थे। सोलाना गांव के पास वे लघुशंका करने के लिए गाड़ी रोककर खड़े थे। उनके पास में ही एक अन्य कार खड़ी खड़ी थी। इसी बीच दिल्ली से मेरठ की ओर जा रहे रास्ते पर तेज रफ्तार आर्टिगा कार ने दोनों कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद आर्टिगा कार अनियंत्रित होकर हवा में उछली और आगे चल रही वैगनार कार में भी पीछे से जा घुसी। हादसे के बाद आर्टिगा कार हाईवे के बीचों-बीच पलट गई। आर्टिगा के चालक की पहचान जितेंद्र के रूप में हुई है। सड़क हादसे में गुरुग्राम निवासी रोहित कटारिया, दीपांशु, जतिन और प्रतिभा भी घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस, एनएचएआई की पेट्रोलिंग टीम व एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई। राहगीरों ने किसी तरह कार सवार लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे के चलते हाईवे पर लंबा जाम लग गया। तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद यातायात को सुचारू कराया। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह का कहना है कि जांच में सामने आया है कि आर्टिगा कार चालक को झपकी लग गई थी। फिलहाल कोई तहरीर नहीं आई है तहरीर आने पर जांच कर कार्रवाई की

सेंट्रल मार्केट में भू उपयोग परिवर्तन के बाद शुरू हुआ नामांतरण

मेरठ , एजेंसी। सेंट्रल मार्केट में 80 भूखंड स्वामियों को शमन के आदेश जारी हुए हैं। इसके तहत भू उपयोग परिवर्तन और नामांतरण की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। व्यापारियों को निर्माण के सामने दस फुट जगह खाली छोड़नी होगी। उन्हें व्यावसायिक गतिविधियों के लिए 36 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर शुल्क देना होगा। अब तक 60 करोड़ रुपये से अधिक शुल्क जमा हो चुका है। संपत्ति प्रबंधक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि यह प्रक्रिया शासन के निर्देश पर शुरू हुई है। वास्तुविद नियोजक ने व्यावसायिक व मिश्रित उपयोग के लिए सशर्त अनुमति दी है। एक भवन का नामांतरण मधु गर्ग से अशोक व राजेश माहेश्वरी के पक्ष में हुआ है। इस तरह के मामलों में 30 दिन के भीतर आपत्ति मांगी गई है। आपत्ति के बाद नामांतरण प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

पुलिस लाइन स्वास्थ्य केंद्र पर एचपीवी वैक्सीन का शुभारंभ

मेरठ , एजेंसी। पुलिस लाइन स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को एचपीवी टीकाकरण शुरू किया गया। बालिकाओं खुशबू, परिधि, मानवी और लक्ष्मी को पहला टीका लगाया गया। यह अभियान उन बालिकाओं के लिए है जिनकी आयु आधार कार्ड के अनुसार 14 वर्ष पूर्ण हो चुकी है और वे 15वें वर्ष में प्रवेश कर रही हैं। टीकाकरण के बाद सभी लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी दिए गए। कार्यक्रम में लाभार्थियों और उनके अभिभावकों में विशेष उत्साह दिखा।

नोएडा अस्पताल सिरिंज घोटाला:

चंद घंटों की जांच में डेटा ऑपरेटर पर फोड़ा ठीकरा, उठे गंभीर सवाल

नोएडा, एजेंसी। जिला अस्पताल में जानवरों की सिरिंज मंगवाने के मामले में कार्यवाहक सीएमएस ने नाकामी छिपाने के लिए चंद घंटों में जांच पड़ताल कर समिति की जो रिपोर्ट जिलाधिकारी के पास भेजी है, उसमें कई सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे पहले यह कि तीन डॉक्टरों की समिति ने पूरे प्रकरण में बरती लापरवाही का ठीकरा केवल डेटा ऑपरेटर पर फोड़कर खानापूर्ति की है।

दूसरा यह है कि समिति के एक जांच अधिकारी की दिसंबर 2025 में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की विशेष सचिव से शिकायत हो चुकी है। तो क्या उन्होंने जांच सही तथ्यों पर की हुई होगी ? यही नहीं, समिति ने पोर्टल पर ऑर्डर अप्रूव करने वाले प्रमुख व्यक्ति की लापरवाही क्यूं नहीं मानी ? फिलहाल, सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष ने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस मुद्दे पर सरकार को घेरा है। चिकित्सा स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग की विशेष सचिव आर्यका अखौरी ने निरीक्षण कर वेटनरी सिरिंज मंगवाने जैसे गंभीर प्रकरण में जांच समिति की रिपोर्ट दैनिक के पास है।

इसमें लिखा है कि कार्यवाहक सीएमएस डॉ. अजय राणा के निर्देश पर 3 अप्रैल को तीन सदस्यों की जांच समिति गठित की गई, जिसमें डॉ. राहुल वर्मा, डॉ. अरविंद मलिक और डॉ. पंकज त्रिपाठी हैं। आश्चर्य की बात है कि समिति ने जेम पोर्टल पर गलत ऑर्डर देने का पूरा ठीकरा आउटसोर्स एजेंसी के कर्मचारी योगेश कुमार पर फोड़ दिया।

मगर टीम ने उस अहम बिंदु को छोड़ दिया, जिसमें ऑर्डर देने की प्रक्रिया से लेकर सामान आने तक जो सदस्य निगरानी करते हैं। उनके बयान दर्ज किए और न ही कोई सवाल पूछकर जांच रिपोर्ट में शामिल किया। सवाल है कि चंद घंटे में तैयार हुई जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर को भेजकर आला अधिकारी से लेकर जैम पोर्टल की समिति के सदस्यों ने भी नाकामी छिपाने का काम नहीं किया है

● **लखनऊ के एक शीर्ष अधिकारी से हाटलाइन पर हो गई डील! :** शनिवार को अस्पताल में इस बात की चर्चा जोरों पर थी कि बड़े चिकित्सक ने प्रकरण में अपनी कुर्सी बचाने के लिए लखनऊ के शीर्ष अधिकारी से हाटलाइन पर डील पक्की कर ली है। बीती रात में अलग-अलग समय पर हुई वार्ता के बाद चिकित्सक को संपूर्ण सुरक्षा का आश्वासन मिलने से वह चिंतामुक्त हैं।

सूत्र बताते हैं कि समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों पर अपने हिसाब से खंडन बनवाकर भी लखनऊ में उच्च अधिकारियों को भेज दिया गया है। सूत्र यह भी बताते हैं कि इस हाइवोल्टेज मामले को शांत करने के लिए लखनऊ में बैठे उच्च अधिकारी के घर पर संपर्क किया गया था।

● **विशेष सचिव के निरीक्षण से पहले दिया गया ऑर्डर :** बता दें कि जिला अस्पताल में सरकारी जेम पोर्टल पर 25 दिसंबर को जानवरों की सिरिंज मंगाने का ऑर्डर दिया गया था। उसके अगले दिन ही चिकित्सा स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग की विशेष सचिव आर्यका अखौरी ने निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की थी। अव्यवस्था पर भड़कते हुए उन्होंने बाल रोग विभाग, जनरल और ऑनलाइन ओपीडी में डाक्टरों को बिना संसाधन मरीजों की जांच करते देखकर अस्पताल प्रबंधन को भगवान भरोसे चलने वाला तक कह दिया था। वहीं मरीजों की भीड़ देखकर अधिकारियों से कड़े सवाल पूछकर व्यवस्था को कटघरे में खड़ा किया था। इसी बीच खोड़ा के सौराज सिंह ने विशेष सचिव से जिला अस्पताल में आंखों का गलत आपरेशन कर तीन-तीन लैंस लगाने का आरोप लगाया था।

सपा अध्यक्ष ने कसा सरकार पर तंज

सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने सोशल मीडिया पर जानवरों की सिरिंज मंगवाने के प्रकरण में दैनिक में प्रकाशित खबरों को अपलोड कर सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने लिखा है, अब यूपी में जनता की कीमत कुछ नहीं रही। नोएडा जैसे हाइटेक शहर में जब घोटाले और लापरवाही चरम पर है तो सोचिए पूरे प्रदेश का हाल होगा कार्यवाहक सीएमएस पिछले एक साल से, लगातार घोटाले, पोस्टमार्टम और पार्किंग के बहाने पैसे लेने, ट्रेनी डॉक्टर से ट्रीटमेंट, टेंडर में ही घोटाला, वो भी जनता की जान से खिलवाड़ करके। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से कार्रवाई करने की बात कही है।

आम से चेहरे के पीछे जासूस तो नहीं? जासूसी नेटवर्क के बाद अलर्ट, गाजियाबाद में पुलिस को मिलेगी स्पेशल ट्रेनिंग

गाजियाबाद, एजेंसी। कौशांबी में हाल ही में उजागर हुए जासूसी नेटवर्क से पता चला कि किस तरह आतंकियों ने युवाओं को रुपयों का लालच देकर अहम ठिकानों की जासूसी कराई है। इससे भविष्य में इन स्थानों के आसपास आम आदमी के वेष में घूमने वाले आतंकियों के मोहरों की पहचान करना अहम हो गया है। इन घटनाओं के बाद से देश के महत्वपूर्ण और सामरिक ठिकानों की सुरक्षा को लेकर पुलिस और खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

लॉन्च किया गया ट्रेनिंग प्रोग्राम : केंद्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण संस्थान (सीडीटीआई) अब आतंकियों से महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की जासूसी के प्रयासों को नाकाम करने और सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। कमला नेहरू नगर स्थित सीडीटीआइ में 10 अप्रैल से शुरू होने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के 25 पुलिस अधिकारी भाग लेंगे। इनमें दारोगा से लेकर डिप्टी स्तर तक के अधिकारी शामिल होंगे।

प्रशिक्षण का विषय आतंक और अहम ठिकानों की सुरक्षा है। कौशांबी, हापुड़, बिजनौर और लखनऊ में पकड़े गए आरोपितों से पूछताछ में सामने आया है कि आतंकी बड़े पैमाने पर आम लोगों को रुपयों का लालच देकर संवेदनशील स्थलों की जानकारी जुटवा रहे हैं। ऐसे में पुलिस बल को न केवल सतर्क रहने बल्कि संदिग्ध गतिविधियों को पहचानने के लिए विशेष कौशल की आवश्यकता है। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को सिखाया जाएगा कि आम नागरिक के भेष में घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कैसे की जाए, संवेदनशील स्थानों पर निगरानी कैसे बढ़ाई जाए और सूचना तंत्र को कैसे मजबूत किया जाए। इसके अलावा आधुनिक तकनीक और खुफिया तंत्र के बेहतर इस्तेमाल पर भी जोर दिया जाएगा। आने वाले समय में इस तरह के और भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे पुलिस बल को नई चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सके। सीडीटीआई में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की क्षमता को बढ़ाना है, ताकि बदलते सुरक्षा खतरों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

बिजली बिल अपडेट के नाम पर गाजियाबाद की डॉक्टर से दो लाख की ठगी, आप न करें ऐसी गलती

गाजियाबाद, एजेंसी। साइबर अपराधियों ने वेव सिटी निवासी महिला डॉक्टर से बिजली का बिल अपडेट करने के नाम पर दो लाख रुपये ठग लिए। उनके पास 31 मार्च को एक व्यक्ति ने फोन कर स्वयं को बिजली विभाग से बताया और कहा कि उनका बिल अपडेट नहीं है। कनेक्शन कटने से बचने के लिए उन्हें एक एप भेजा जा रहा है। एप डाउनलोड कर फार्म भरें और 50 रुपये की फीस चुका दें उनका बिल अपडेट हो जाएगा। डॉ. आभा मित्तल ने ठग की बातों में आकर भेजे गए लिंक के जरिए एप डाउनलोड कर 50 रुपये शुल्क के नाम ट्रांसफर भी कर दिए। इसके बाद उनका मोबाइल ठग ने हैक कर लिया। कई बार में उनके खाते से दो लाख रुपये निकाल लिए गए। मामले में परेशान होकर पीड़िता ने वेव सिटी थाने में मोबाइल नंबर के आधार पर केस दर्ज कराया है। इस तरह के फ्रॉड से बचने के लिए आप किसी के कहने पर कोई एप डाउनलोड न करें। साथ ही अपनी गोपनीय जानकारी जैसे बैंक डिटेल और ओटीपी शेयर करने से बचें।

बंगाल चुनाव के लिए टीएमसी ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

ममता और अभिषेक बनर्जी का नाम शीर्ष पर

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां के बीच सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने पहले चरण के लिए अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची शनिवार को जारी कर दी। यह सिर्फ नामों की घोषणा नहीं, बल्कि पार्टी की रणनीतिक दिशा का संकेत भी माना जा रहा है। पार्टी के चुनाव प्रचार की कमान स्वयं तृणमूल सुप्रीमो व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के हाथ में है। दोनों चेहरे न सिर्फ संगठन के केंद्र में हैं, बल्कि चुनावी नैरेटिव को तय करने में भी अहम भूमिका निभाने वाले हैं। पहले चरण के लिए जारी सूची में सिर्फ शीर्ष नेतृत्व ही नहीं, बल्कि संगठन के अनुभवी व भरोसेमंद चेहरों को भी जगह दी गई है। शीर्ष पर ममता व अभिषेक के अलावा सूची में वरिष्ठ मंत्री फिरहाद हकीम, पार्टी के अनुभवी नेता व प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी, वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य, मंत्री अरूप विश्वास और वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी जैसे नेताओं के नाम शामिल हैं। स्टार प्रचारकों की सूची में पूर्व भारतीय क्रिकेटर व बहरमपुर से तृणमूल सांसद यूसुफ पठान, बर्द्धमान- दुर्गापुर से सांसद कीर्ति आजाद के अलावा पार्टी के कई अन्य सांसदों, मंत्रियों, विधायकों व वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं। इन नेताओं की मौजूदगी यह बताती है कि पार्टी सिर्फ करिश्माई नेतृत्व पर निर्भर नहीं रहना चाहती, बल्कि जमीनी पकड़ रखने वाले नेताओं के जरिए हर क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति बना रही है। ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में पार्टी ने अनुभवी और आक्रामक चेहरों को आगे कर साफ कर दिया है कि चुनावी मुकाबला बेहद तीखा होने वाला है।

यूपी में बिना सहमति स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने पर हंगामा

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से की गई जांच कराने की मांग

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में उपभोक्ताओं की सहमति के बिना प्रीपेड मोड में मीटर लगाए जाने की केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की गई है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष और ऊर्जा क्षेत्र की सेंट्रल एडवाइजरी कमेटी के सदस्य अवधेश वर्मा ने इसे केंद्रीय विद्युत अधिनियम-2003 का उल्लंघन मानते हुए शनिवार को केंद्रीय ऊर्जा मंत्री व ऊर्जा सचिव को पत्र भेज जांच कराकर दोषी अधिकारियों-कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और नये कनेक्शन में स्मार्ट प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता समाप्त करने की भी मांग की है। वर्मा ने विद्युत अधिनियम-2003 के प्रविधानों का प्रदेश में अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए बिना सहमति के प्रीपेड किए गए मीटर को पहले की तरह पोस्टपेड किए जाने के लिए भी केंद्रीय मंत्री को लिखा है। परिषद अध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उपभोक्ताओं के अधिकारों की अनदेखी होती रही तो प्रदेशव्यापी आंदोलन तेज किया जाएगा। वर्मा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री के स्पष्टीकरण के बाद साफ है कि प्रीपेड मोड में स्मार्ट मीटर लगाने के लिए उपभोक्ताओं की सहमति जरूरी है लेकिन राज्य में बिजली कंपनियां विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) का उल्लंघन कर उपभोक्ताओं को विकल्प देने के बजाय उनकी सहमति के बिना ही प्रीपेड मोड में स्मार्ट मीटर लगा रही हैं। मंत्री को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि प्रदेश में लगभग 3.8 करोड़ उपभोक्ताओं के मीटर बदले जा रहे हैं। इनमें से लगभग 70 लाख उपभोक्ताओं के मीटर बिना उनकी सहमति के प्रीपेड मोड में परिवर्तित कर दिए गए हैं जबकि यह पूरी तरह वैकल्पिक व्यवस्था है। जबरन प्रीपेड मोड में मीटर किए जाने से उपभोक्ताओं में रोष है। इस मामले को पहले भी केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के संज्ञान में लाया गया था ।

तो इसलिए गर्भवती महिलाओं में बढ़ रहा प्री-मैच्योर डिलीवरी का खतरा

नई रिसर्च ने सोचने को किया मजबूर

लखनऊ, एजेंसी। गर्भावस्था के दौरान होने वाली एक आम, लेकिन अनदेखी समस्या पायरिया (मसूड़ों की गंभीर बीमारी) अब प्री-मैच्योर डिलीवरी (समय से पहले प्रसव) का बड़ा कारण बनकर सामने आ रही है। हालिया शोध के मुताबिक, जिन महिलाओं को पायरिया की समस्या होती है, उनमें समय से पहले बच्चे के जन्म का खतरा तीन गुणा तक अधिक होता है। दरअसल, मसूड़ों के संक्रमण से होने वाले बैक्टीरिया रक्त प्रवाह के माध्यम से प्लेसेंटा तक पहुंचकर गर्भावस्था को प्रभावित करते हैं। इससे गर्भाशय में संकुचन समय से पहले शुरू हो सकते हैं, जो प्रसव को समय से पहले ट्रिगर कर देते हैं। गर्भावस्था के दौरान हार्मोनल बदलाव के कारण भी मसूड़ों में सूजन और संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में यदि पहले से पायरिया हो तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। यह शोध केजीएमयू के दंत रोग विभाग में प्रो. डा. अंजनी पाठक ने किया है। अध्ययन में कुल 450 गर्भवती महिलाओं को शामिल किया गया।

क्या है पायरिया और क्यों है खतरनाक : प्रो. अंजनी पाठक के मुताबिक, पायरिया मसूड़ों का एक संक्रमणजनित रोग है, जिसमें बैक्टीरिया मसूड़ों और दांतों के आसपास सूजन पैदा करते हैं। यह बीमारी धीरे-धीरे गंभीर रूप ले लेती है और शरीर में संक्रमण का स्रोत बन जाती है। यदि पायरिया गंभीर अवस्था में पहुंच जाए तो यह संक्रमण खून के जरिए शरीर के कई हिस्सों जैसे हार्ट, फेफड़ा और किडनी-लिवर तक पहुंच सकता है। पायरिया मसूड़ों में सूजन, मवाद, और खून आने का कारण बनता है, जो बैक्टीरिया के लिए प्लेसेंटा तक पहुंचने का मार्ग खोलता है और शरीर में सूजन बढ़ने से प्रोस्टाग्लैंडीन नामक रसायन बढ़ जाते हैं, जो समय से पहले प्रसव पीड़ा को प्रेरित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, पायरिया केवल गर्भावस्था ही नहीं, बल्कि हृदय रोग, डायबिटीज और अन्य बीमारियों से भी जुड़ा है। इससे स्पष्ट है कि यह एक साइलेंट डिजीज है, जो धीरे-धीरे पूरे शरीर को प्रभावित कर सकती है।

कैसे किया अध्ययन : प्रो. अंजनी पाठक ने बताया कि अध्ययन में कुल 450 गर्भवती महिलाओं को शामिल किया गया, जिन्हें दो समूहों में बांटा गया। इनमें 150 गर्भवती महिलाओं में पहले पायरिया की गंभीर समस्या थी। इन्हें सामान्य से अलग समूह में रखा गया। पायरिया के चलते सभी 150 महिलाओं का प्रसव समय से पहले कराना पड़ा, जबकि अन्य गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी समय पर हुई। गर्भावस्था के तीसरे माह तक पायरिया का संपूर्ण इलाज कराने से प्री-मैच्योर डिलीवरी के खतरे से बचा जा सकता है।

प्री-मैच्योर डिलीवरी से क्या हैं नुकसान

गर्भावस्था के 37 सप्ताह पूरे होने से पहले जन्म लेने वाले बच्चों को कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जो कभी-कभी जीवनभर असर डाल सकती हैं। ऐसे बच्चों में कम वजन और कमजोर शरीर, सांस लेने में कठिनाई, संक्रमण का अधिक खतरा, मस्तिष्क का विकास प्रभावित, आंखों और कानों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। समय से पहले प्रसव का प्रभाव केवल बच्चे तक सीमित नहीं रहता। मां को भी शारीरिक और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है है।

- प्री-मैच्योर डिलीवरी के अन्य प्रमुख कारण
- -गर्भावस्था के दौरान संक्रमण
- -उच्च रक्तचाप और मधुमेह
- -खराब पोषण
- -तनाव और अनियमित जीवनशैली
- -धूमपान या नशे की आदत
- कैसे करें बचाव
- -गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच
- -संतुलित आहार लें और संक्रमण से बचें
- -तनाव प्रबंधन
- -डाक्टर की सलाह के बिना दवा न लें
- -सुबह और रात दो बार ब्रश करें
- -नियमित रूप से दांतों की जांच कराएं
- -मसूड़ों से खून, सूजन या बदबू को नजरअंदाज न करे ।